For private circulation only

Vol. 2, Issue - 4 • April-June 20

Xavier Viste

The Newsletter of St. Xavier's College of Education, Patna-800 011 • Accredited by NAAC with 'A' Grade

Contents

- Editorial
- International Women's Day
- Blood Donation Camp
- Community Service
- Tarumitra Experience
- Valedictory Functions
- IGNOU Workshop

संपादकीय

संविधान की धारा अनुच्छेद 21 (A) के अंतर्गत शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में सम्मिलित किया जाना एक ऐतिहासिक फैसला है। इसी परिपेक्ष्य में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों का यह उत्तरदायित्व बनता है कि वे कुशल एवं निष्ठावान् शिक्षकों का निर्माण करें। पिछले 25 वर्षों में हमारा महाविद्यालय इस दिशा में निरंतर योगदान देता आ रहा है। सत्र 2011-2012 के बी०एड० एवं एम०एड० प्रशिक्षुओं के शैक्षिक उन्नति एवं व्यक्तित्व विकास के लिये महाविद्यालय में अनेक कार्यक्रम जैसे- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, रक्त दान शिविर, सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, आदि आयोजित किये गये। सत्र के अंत में उन्हें सुखद भविष्य की मंगल कामनाओं के साथ भाव भीनी विदाई दी गई। प्रस्तुत अंक इन्हीं कार्यक्रमों का एक संक्षिप्त झलक पेश करता है।

International Women's Day

Our M.Ed. and B.Ed. students celebrated International Women's Day on 13th March, 2012. As usual the programme began with a prayer service. Mrs. Pushpa Chopra, President of Bihar Mahila Udyog Sangh, Patna branch, was the Chief Guest and the college Principal Prof. (Fr.) Thomas Perumalil,S.J. presided over the function. Mrs. Chopra said that there had been tremendous progress in the country due to active participation of women, especially at grass-roots level and lauded their role in building society and developing the country."Education among women is expanding and girls are shining

in all competitive examinations. Today, women are moving out of their homes and taking part in a wide range of activities in the larger interest of society" she added. Expressing his views on International Women's Day, Fr. Perumalil said that women are not only becoming active partners in the developmental process, but of late, there has been a tendency to achieve self-dependence in every sphere. They are coming forward in an organised way to achieve their objective.The second

session was a question-answer round which students asked questions like w did women need to be empowered. I woman not empowered while she managing the household work? Is male attitude contradictory towa women empowerment? Students fr Aurobindo House, Tagore House, Gan House and Zakir House presented skits the condition of women in today's soci on themes like evils of dowry, illitera

among women and ill treatment women, etc. Dr. Madhu Sing Mrs.Claramma James and Fr. Vic Osta,S.J. judged the skits. Gandhi Hou bagged the first prize, while Aurobin House was declared first runner up.

Blood Donation Camp

A blood donation camp was organized for the B.Ed students with the coordination of Holy Family Hospital, Kurji. Blood samples were taken, and then B.P., Haemoglobin and blood group were checked. All those found fit donated their blood. 20 units of blood were donated to the Kurji Holy Family Hospital, Patna.

Community Service

The B.Ed trainees of our college visited Asha Deep Rehabilitation Centre for the differently abled which is run by the Sisters of the Holy Cross Society, as part of their two-day community service on Monday 20th April, 2012. They spent the day with about 160 differently abled children.

The trainees were divided into groups of three for each class. Assisted by regular teachers, they took classes for singing, dancing and other co-curricular activities.

Speaking about her experience Daniya, a trainee, said, " I, initially, faced some difficulty but my group members helped me immensely. Till now, I had taught regular children. Teaching such special children was a new and a fruitful experience". "The students of the class in which I was sent had trouble hearing. At first, I was totally lost how to express myself but I finally got the hang of it", said Amit Kishore.

Another trainee, Himanshu, said that he used pictures to explain himself, while Beena said that her real challenge was to make the students remember what she was teaching. "It was wonderful to be with them, though," she added.

In his address to the trainees, Principal of the College Prof. (Fr.) Thomas Perumalil said, "Working with differently abled children will let you grow as teachers and you will be able to handle all your future sessions with ease." Principal of Asha Deep Sister Catherine Colaco had welcomed the trainees on the occasion. Mr. Deep Kumar and Mr. Sushil Kumar our college lecturers were present to guide and support the trainees.

आशा द्वीप के वार्षिक खेलकूद में शिक्षा महाविद्यालय की भागीदारी

आशादीप (विकलांग बच्चों का पुनर्वास केंद्र) की वार्षिक खेलकूद में बच्चों ने खूब मस्ती की, प्रतियोगिता का उद्घाटन पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत ने किया। इस मौके पर बच्चों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। स्कूल की प्राचार्या कैथरीन ने सबों का स्वागत किया। खिलाड़ियों को फादर थामस पेरुमलिल और सिस्टर वालसा ने पुरस्कृत किया।

हमारे शिक्षा महाविद्यालय के लिए यह खेलकूद दिवस इस बात के लिए महत्त्वपूर्ण था क्योंकि पहली बार भावी शिक्षकों ने इसमें भूमिका निभाई। मार्च पास्ट से लेकर सभी गतिविधि में महाविद्यालय के भावी शिक्षकों ने पूरा सहयोग दिया।

तरू मित्र की छाह में

आज पर्यावरण को हर विषय में जोड़े जाने की जरूरत है, चाहे वह हिन्दी, अंगरेजी, गणित या साइंस हो। हमें बच्चों को पर्यावरण की जानकारी देनी होगी। ये बातें तरु मित्र आश्रम के संस्थापक व संयोजक फादर रॉबर्ट ने दो दिवसीय पर्यावरण शिक्षा विषयक पर सेमिनार में कही। हमारे कॉलेज द्वारा इस सेमिनार का आयोजन दीघा में किया गया। फादर रॉबर्ट ने कहा कि आज का शहर कंक्रीट का जंगल बनता जा रहा है, हम पर्यावरण को लुप्त होने से बचाने के लिए एक पेड़ लगाते हैं, लेकिन अपनी जरूरतों को पूरी करने के लिए स्वार्थी लोग सैकड़ों पेड़ नष्ट कर रहे हैं, पर्यावरण को बचाने के लिए नये वर्ष में संकल्प लेने की आवश्यकता है। प्रचार्य फादर थॉमस ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए पाठ्यक्रम के साथ इसे हमें दिनचर्या में शामिल करने की जरूरत है. हमें जरूरत के अनुसार बिजली का उपयोग करना चाहिए।

पर्यावरण को सारे धर्म से जोड़ने की जरूरत है। हर धर्म के रीति-रिवाज में पर्यावरण का महत्त्व होता है। खास कर धान का विशेष महत्त्व होता है। ये बातें तरु मित्र आश्रम के संस्थापक फादर रोबर्ट ने सेमिनार के समापन पर कहीं। सेमिनार दीघा स्थित तरु मित्र आश्रम में सेंट जेवियर्स शिक्षा महाविद्यालय की ओर से किया गया था. फादर रोबर्ट ने कहा कि वैदिक काल में लगभग धान की बीस हजार प्रजातियाँ

थीं लेकिन आज किसान 80 से 100 प्रजाति ही लगाते हैं. भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ एम.एस. स्वामीनाथन ने धान के विकास के बारे में कहा है कि आज किसान पुरानी प्रजातियों के धानों को नहीं लगाते हैं। इससे धान की प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है. इसलिए हम सभी को पुनः धान की प्रजाति को बचाने के लिए संकल्प लेना होगा। इस दौरान धान की दर्जनों प्रजातियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। छात्राध्यापकों ने पर्यावरण को बचाने के लिए नाटक प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य फादर थॉमस पेरुमालिल एस.जे. ने किया। तरुमित्र आश्रम में संत जेवियर्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से पर्यावरण शिक्षा पर सेमिनार के दूसरे दिन पर्यावरण को शिक्षा से जोड़ने पर चर्चा हुई। चर्चा में शामिल विशेषज्ञों ने बताया कि गणित में पर्यावरण किस तरह लायेंगे। इस विषय के बारे में कॉलेज के 135 भावी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्याख्याता डॉ० प्रशांत झा ने कहा कि किसी भी विषय को पढ़ाते समय पर्यावरण को आधार बनाया जा सकता है क्योंकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने में आज के शिक्षक बहुत बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। 135 शिक्षकों को 10 के ग्रुप में बांट कर तरूमित्र के सदस्यगणों ने पूरे आश्रम का भ्रमण करवाया और उपयोगी पौधों एवं जैविक खाद के विषय में समझाया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन काल में 16 पेड़ जरूर लगाने चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके।

Valedictory Functions

B.Ed trainees of 2011-12 batch of our college completed their one year training here on 30th April, 2012. The prospective teachers put up a colourful valedictory programme. The main attractions were dance, songs and farewell speeches. In his message, Principal of the college, Fr. Thomas Perumalil,S.J. said,"Now, all of you are ready to work for the nation. Keep our college's motto high and deliver your best." The trainees also shared their experiences at the function. "We are proud to be a part of the institution that inspired us to mould the future of the country. We pledge to share every good thing that was taught in the college," said Vinci Viveka and Sunil Kumar. The faculty members and budding teachers took an oath to work for the country. Thresiamma Mathew proposed a vote of thanks. The

programme ended with the distribution of the provisional certificate that followed with refreshments.

B.Ed trainees of 2011-12 batch of our college completed their one year training here on 30th April, 2012. The

prospective teachers put up a colourful valedictory programme. The main attractions were dance, songs and farewell speeches. In his message, Principal of the college, Fr. Thomas Perumalil,S.J. said,"Now, all of you are ready to work

इग्नू कार्यशाला

इग्नू द्वारा संचालित बी०एड० के लिए, 12 दिनों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में इग्नू में नामांकित प्रथम व द्वितीय सत्र के प्रशिक्षकों ने भाग लिया जिसकी संख्या लगभग 220 थी। दोनों सत्र की कार्यशाला का शुभारम्भ पटना इग्नू क्षेत्रिय कार्यालय के क्षेत्र

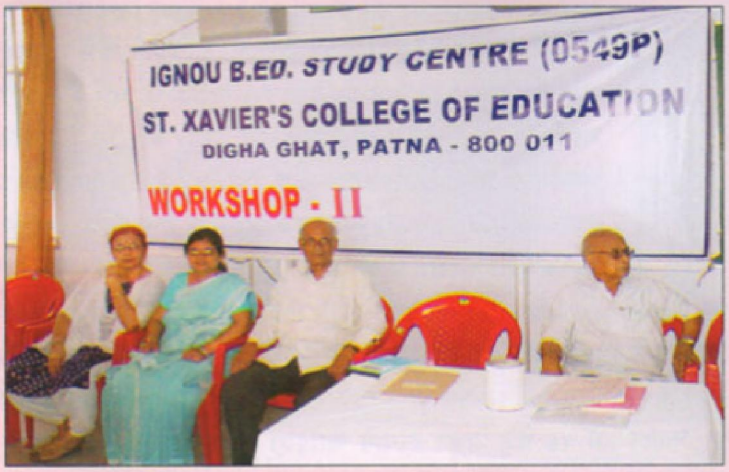

निदेशक व सहायक क्षेत्र निदेशक द्वारा किया गया। इन 12 दिनों में विशेष रूप से यूनिट प्लैनिंग, पाठ योजना, शिक्षण कौशल, शिक्षण

विधि, पाठ्यक्रम का महत्त्व, विभिन्न विषय को पढ़ाने के गुण, व्यक्तित्व निर्माण, मूल्यों पर आधारित शिक्षा, कक्षा संचालन, निर्देशन व सहयोग, सीखने की विभिन्न शैली, HIV/AIDS पर कार्यक्रम, आधुनिक युग में

शिक्षकों की भूमिका, विद्यालय संगठन व परीक्षा सुधार आदि जैसे विषय पर चर्चा, सुझाव व बारीकी से आकलन किया गया। 'दिशान्तर' व 'तारे जमीन पर' दो फिल्मों का भी प्रदर्शन किया गया जिसके माध्यम से शिक्षक की भूमिका और कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला गया। दोनों सत्र के अन्तिम दिन विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया जिसे बी०एड० छात्रों द्वारा तैयार किया गया था। इसमें बिहार की गाथा, शिक्षकों का बिहार शिक्षा में समर्पण प्रभावशाली रूप से गीत व नाटक द्वारा प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य फादर थोमस पेरूमालिल ने भावी शिक्षकों को उनके भविष्य की शुभकामनाएँ दी। फादर स्करिया, केन्द्र निदेशक ने कहा कि एक प्रभावी शिक्षक मूल्यों पर आधारित शिक्षा उदाहरणों द्वारा प्रस्तुत करता है।

Published by Prof. (Fr.) Thomas Perumalil, S.J., Principal, St. Xavier's College of Education, Patna-800 011
Tel:. 0612-2260253 • Fax : 0612-2260253 • E-mail : sxcepatna@gmail.com • Website : www.sxceptna.edu.in
Printed at Allekhan, New Dak Bunglow Road, Patna-1 • Phone : 0612-2235753